University in News on 11 February 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य सुधारेगा संगीत

लखनऊ विवि ने किया काशी विद्यापीठ के साथ एमओयू

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। संगीत सिर्फ मन को ही सुकून नहीं देता है। इसके माध्यम से मानसिक सेहत भी सुधारी जा सकती है। लखनऊ विश्वविद्यालय का महिला अध्ययन संस्थान इस दिशा में कदम बढ़ाने जा रहा है। इसके लिए संस्थान ने वाराणसी के काशी विद्यापीठ के साथ अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

महिला अध्ययन संस्थान की निदेशक डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने बताया कि काशी विद्यापीठ ने इस दिशा में काम करना शुरू किया है। संगीत के सत्र के माध्यम से वे मानसिक समस्याओं का समाधान करते हैं। फिलहाल यह शुरुआत पेरिमेनोपॉजल (रजोनिवृत्ति) को लेकर महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर करने के लिए की गई है। लविवि का महिला अध्ययन संस्थान काशी विद्यापीठ में लैंगिक संबंधी मुद्दों पर कार्यशालाएं कर रहा है।

महिला अध्ययन संस्थान की निदेशक डॉ. मानिनी श्रीवास्तव। स्रोत : स्वयं

लविवि के कुलपति प्रो. आलोक राय बताया कि संस्थान ने आपसी सहयोग से संगीत के माध्यम से मानसिक समस्याओं पर शोध की शुरुआत करने का फैसला किया है। इसका दायरा भी बढ़ाया जाएगा। इससे संबंधित प्रस्ताव काशी विद्यापीठ को दिया गया था। एमओयू पर हस्ताक्षर हो गए हैं। अब इस पर काम शुरू होगा।

लविवि की शिक्षिकाओं व छात्राओं से होगी शुरुआत... डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने बताया कि लविवि की शिक्षिकाओं के साथ ही छात्राओं को भी इस अध्ययन में शामिल किया जाएगा। मनोविज्ञान के माध्यम से उनकी मानसिक स्थिति का अध्ययन किया जाएगा। इसके बाद उन्हें संगीत के सेशन दिए जाएंगे। बाद और पूर्व की मानसिक स्थितियों की तुलना को रिकॉर्ड कर डाटा तैयार किया जाएगा। इसका उपयोग विभिन्न रिपोर्ट में किया जाएगा।

छात्र-छात्राओं ने किया रक्तदान

लखनऊ। लविवि में शनिवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने रक्तदान किया। शिविर का आयोजन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. संगीता साहू मौजूद रही। (संवाद)

सुसाइड की समस्या पर की चर्चा

लखनऊ। लविवि के दर्शनशास्त्र विभाग की ओर से शनिवार को सेमिनार का आयोजन किया गया। विभाग के शोध छात्र गौरव मिश्र ने सुसाइड की समस्या पर अपने विचार व्यक्त किए। व्याख्यान में राजा सिसीफस से जुड़े लोककथा में कामू के विचारों को व्यक्त किया। कामू के द्वारा दिए गए विचार को अपने शब्दों में समझाने का प्रयास किया। दर्शनशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. रजनी श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। (संवाद)

शिक्षा की गुणवत्ता पर जोर

लखनऊ। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने 50 खरब की अर्थव्यवस्था में शिक्षा व शैक्षणिक और प्रबंधन के अभ्यास पर जोर देने की बात कही। विवि के चाणक्य सभागार में शनिवार को आयोजित कंपीटेंसीज फॉर फ्यूचर मैनेजर्स इन फाइव ट्रिलियन इकॉनमी, विषय पर कुलपति ने चर्चा की। मैनेजमेंट कॉन्क्लेव का आयोजन विवि के व्यापार प्रशासन विभाग की ओर से किया गया।

कुलपति ने बताया कि कॉर्पोरेट, अकादमिक और छात्रों को एक साथ लाने के लिए विवि में प्लेसमेंट और कॅरिअर डवलपमेंट सेल का गठन किया गया है। कुलपति ने गुणवत्तापरक शिक्षा और स्टेकहोल्डर के प्रति समर्पण पर जोर दिया। उन्होंने छात्र क्षमता को बढ़ाने के लिए शिक्षा-शिक्षण पारंपरिकता की पहचान और विकास का महत्व उजागर किया। प्रो. संगीता साहू मौजूद रहीं। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 06

एलयू का नया मुख्य द्वार बनकर तैयार

निर्माण

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। 103 वर्ष पुराने लखनऊ विश्वविद्यालय का नव्य, भव्य मुख्य द्वारा बनकर तैयार हो गया है। प्रवेश के लिए बन रहे मुख्य द्वार का उद्घाटन 15 फरवरी को किया जाना तय है। मुख्य द्वार को अब अंतिम रूप दिया जा रहा है। अब एलयू का मुख्य द्वार गेट नंबर-तीन होगा।

इसी द्वार से शिक्षक, विद्यार्थी व अन्य लोग प्रवेश करेंगे। एलयू में मौजूदा समय मुख्य द्वार भाऊराव देवरस यानी गेट नंबर एक है। जबकि गेट नंबर-तीन अक्सर बंद रहता था। लेकिन एलयू प्रशासन ने गेट नंबर-तीन को मुख्य द्वार करने का फैसला किया। जिसे कुछ आधुनिक सुविधाओं के साथ बनाया जा रहा है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के नए मुख्य द्वार को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

गेट का निर्माण पिछले कुछ महीनों से चल रहा है। गेट का डिजाइन विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक डिजाइन से प्रेरित है और इसे आकर्षक बनाने के लिए विशेष ध्यान दिया गया है। गेट से प्रवेश करने के लिए विद्यार्थियों को अपना पहचान पत्र दिखाना होगा।

एलयू में 50 छात्रों ने किया रक्तदान

लखनऊ। एलयू के आरोग्य भवन में हरिओम सेवा केंद्र और सिविल अस्पताल की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शिविर का शुभारम्भ किया। आरोग्य भवन इंचार्ज डॉ. कुसुम यादव ने बताया कि 50 से ज्यादा छात्र-छात्राओं ने रक्तदान किया है। सभी रक्तदाताओं को डोनर कार्ड मुहैया कराया गया। इससे भविष्य में उन्हें कभी भी रक्त की जरूरत पड़ती है तो वह निशुल्क रक्त पा सकेंगे।

कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने किया रक्तदान शिविर का शुभारम्भ

अवसर पर डीन अकादमी प्रोफेसर गीतांजली मिश्र, हरिओम सेवा केंद्र के संस्थापक तथा प्रसिद्ध थियेटर कर्मी डा अनिल रस्तोगी सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे।

एलयू में छात्र क्षमता बढ़ाने के लिए कॉन्क्लेव

लखनऊ। एलयू के व्यापार प्रशासन विभाग की प्लेसमेंट और करियर डेवलपमेंट सेल की ओर से कॉम्पिटेंसीज फॉर फ्यूचर मैनेजर्स इन 5 ट्रिलियन इकॉनमी विषय पर एक मैनेजमेंट कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। चाणक्य सभागार में हुए कान्क्लेव में वरिष्ठ कॉर्पोरेट लीडरों ने भाग लिया एवं शैक्षणिक और प्रबंधन अभ्यासियों के महत्व पर प्रकाश डाला। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शिक्षा-शिक्षण पारंपरिकता की पहचान और विकास का महत्व उजागर किया।

JAGRAN CITY PAGE III

1011 सीटों पर होंगे पीएच.डी. दाखिले

कई विषयों में बढ़ीं और घटीं सीटें वेबसाइट पर जारी किया संशोधित सीटों का विवरण

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से सत्र 2023-24 के पीएच.डी. प्रवेश के लिए कई विषयों की सीटों में इजाफा हो गया है। इनमें जूलाजी, हिंदी, जियोलाजी, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन विषय शामिल हैं। पब्लिक हेल्थ और पब्लिक पालिसी गवर्नेंस विषय को शामिल करते हुए इनकी सीटें भी जोड़ दी गईं। पार्ट टाइम विषयों में एजुकेशन की सीटें घटने के साथ दर्शनशास्त्र विषय की दो सीटें शामिल की गईं। सीटों का विषयवार संशोधित विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/en/page/admission-session-2023-24 पर अपलोड कर दिया गया है।

लवि ने वर्तमान सत्र के पीएच.डी. दाखिले के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया दो जनवरी से शुरू की थी। उस समय विषयवार खाली सीटों का विवरण जारी किया था, जिसमें 39 विषयों में रेगुलर पीएच.डी की 898 और पार्ट टाइम की 58 सीटों पर आवेदन का मौका दिया गया था। दो दिन पहले विश्वविद्यालय ने फिर से इन सीटों को संशोधित करते हुए दो अन्य विषय भी जोड़ दिए गए हैं। अब रेगुलर पीएच.डी की 955 और पार्ट टाइम की 56 सीटों पर प्रवेश लिए जाएंगे।

शकुंतला विवि : विषम सेमेस्टर परीक्षाएं 26 से

डा. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय ने बी.ए और बी.काम को छोड़कर अन्य सभी पाठ्यक्रमों की विषम सेमेस्टर परीक्षाओं का कार्यक्रम शनिवार को जारी कर दिया। यह परीक्षाएं 26 फरवरी से 11 मार्च तक होंगी। परीक्षा नियंत्रक डा. अमित कुमार राय ने बताया कि प्रस्तावित परीक्षा कार्यक्रम पर जो भी आपत्तियां आई थीं, उसका निस्तारण करते हुए फाइनल जारी कर दिया गया है।

इन विषयों में बदली सीटें

रेगुलर पीएच.डी. : हिंदी 93 से 108, जियोलाजी में आठ से नौ, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन तीन से चार, पाश्चात्य इतिहास 15 से 13, जूलाजी 29 से 67, पब्लिक हेल्थ एक, पब्लिक पालिसी एंड गवर्नेंस विषय में एक सीट, एआइएच में 48 से 50 सीटें हो गईं।

पार्ट टाइम : एजुकेशन आठ से तीन, दर्शन शास्त्र में दो सीटें, एआइएच में एक सीट बढ़ी।

जल्द तय होगी प्रवेश परीक्षा की तिथि: पीएच.डी. प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया 10 फरवरी को पूरी हो गई। अब आवेदन की तिथि नहीं बढ़ाई जाएगी। जल्द ही प्रवेश परीक्षा की तिथि जारी की जाएगी।

लवि के आरोग्य भवन में छात्र-छात्राओं ने किया रक्तदान

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के आरोग्य भवन में शनिवार को हरिओम सेवा केंद्र तथा सिविल अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. अलोक कुमार राय ने इसका शुभारंभ किया। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं के साथ एनसीसी कैडेट्स ने रक्तदान किया। उन्हें प्रमाण पत्र भी दिया गया।

लखनऊ विश्वविद्यालय में हुआ मैनेजमेंट कान्क्लेव

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के व्यापार प्रशासन विभाग की प्लेसमेंट और करियर डेवलपमेंट सेल की ओर से शनिवार को 'कंपीटेंसीज फार फ्यूचर मैनेजर्स इन 5 ट्रिलियन इकानमी' विषय पर एक मैनेजमेंट कांक्लेव हुआ। इसमें कार्पोरेट लीडरों ने प्रतिभाग कर शैक्षणिक और प्रबंधन अभ्यासियों के लिए विषय के महत्व पर अपनी बात रखी।

कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने छात्र क्षमता को बढ़ाने के लिए शिक्षा-शिक्षण पारंपरिकता की पहचान और विकास का महत्व बताया। इस अवसर पर रिलायंस जियो इंफोकाम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं राज्य हेड प्रणय पाठक, टीसीएस के क्षेत्रीय श्रम संसाधन प्रमुख अभिषेक श्रीवास्तव सहित अन्य प्रमुख कार्पोरेट वक्ताओं में प्रतिभाग किया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. संगीता साहू ने भी अपने विचर रखे।

AMRIT VICHAR PAGE 4

सेमिनार में सुसाइड पर दिया व्याख्यान

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में शनिवार को विभागाध्यक्ष डॉ. रजनी श्रीवास्तव के निर्देशन में सेमिनार का आयोजन किया गया। शोध छात्र गौरव मिश्र ने एग्जामिनिंग सुसाइड ऐज द ओनली ट्रू फिलॉसफिकल प्राबलम : रिविजिटंग द मिथ ऑफ सिसपस एंड कैमस एब्सूरडिटी विषय पर व्याख्यान दिया।

उन्होंने व्याख्यान का प्रारंभ 'देयर इज वन बट ट्रूली फिलॉसफिकल प्राब्लम दैट इज सुसाइड' के साथ किया। किस प्रकार से दार्शनिकों ने अपने विचारों में सुसाइड की समस्या को व्यक्त किया इसकी भी चर्चा की। उन्होंने व्याख्यान का आधार कैमू द्वारा लिखी गई पुस्तक 'द मिथ ऑफ सिसपस ' को बनाया। कामू के दिए गए विचार थ्यौरी ऑफ एब्सूरडिटी को अपने शब्दों में समझाने का प्रयास किया। सेमिनार में दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. रजनी श्रीवास्तव के साथ विभाग के प्राचार्य डॉ. राजेश्वर प्रसाद यादव, डॉ. प्रशांत शुक्ला सहित अन्य लोग मौजूद थे।

लविवि के दर्शनशास्त्र विभाग में आयोजित सेमिनार में जानकारी देते वक्ता। अमृत विचार

▸▸ लविवि के दर्शनशास्त्र विभाग में आयोजित हुआ सेमिनार

वनस्पति विज्ञान विभाग में पुरातन छात्र समारोह आज

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय वनस्पति विज्ञान विभाग में पुरातन छात्र समारोह का आयोजन रविवार को किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय करेंगे। यह जानकारी विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. मुन्ना सिंह ने दी। प्रो. मुन्ना सिंह ने बताया कि कार्यक्रम 11 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय वनस्पति विभाग एलुमिनाई एसोसिएशन का गठन 1997 में किया गया। उसी समय से प्रति वर्ष यह आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के माध्यम से सभी एलुमिनाई को विभागीय प्रोग्रेस से अवगत कराया जाता है। इस समारोह में देश-विदेश में फैले वनस्पति विज्ञानी भाग लेंगे और अपने विचारों का आदान प्रदान करेंगे। इसके अलावा, वर्ष 2024 की कौंसिल का गठन किया जाएगा।

मुकदमे के लिए उकसाने वालों से ग्रामीण रहें सावधान

चंदाकोडर गांव में आयोजित हुआ विधिक साक्षरता एवं सहायता शिविर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : छोटे-छोटे मामलों में मुकदमे के लिए उकसाने का काम करने वाले लोगों से ग्रामीणों को सावधान रहने की जरूरत है। सुलह समझौते के जरिए मामलों का निस्तारण करें। ये बातें विधि विशेषज्ञों ने चंदा कोडर गांव में विधिक साक्षरता एवं सहायता शिविर में कहीं।

लखनऊ विश्वविद्यालय विधि संकाय की संस्था प्रो बोनो क्लब व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वाधान में बीकेटी के चंदाकोडर गांव में शनिवार को विधिक सहायता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। हाईकोर्ट इलाहाबाद के वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेंद्र सिंह राजावत ने ग्रामीणों की समस्या सुनी और विधिक सलाह दिया। विश्वविद्यालय के विधि परिसर मुखिया बंशीधर सिंह ने सरकार द्वारा मुहैया कराई जाने वाली योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी। विधि संकाय के प्रो. अनुराग ने कहा कि सुलह समझौता के जरिए विवादों का निपटारा करना ही बेहतर विकल्प है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों से बचने की सलाह दी जो गांव समाज में लोगों को मुकदमे के लिए उकसाते हैं। विधिक सेवा केंद्र के चेयरपर्सन आलोक कुमार यादव ने वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार, परिवार एवं समाज में उचित सम्मान दिलाने की बात कही। प्रो बोनो क्लब के संयोजक मनीष तिवारी ने ग्रामीणों को जागरूक किया और विधिक सहायता का आश्वासन दिया। इस दौरान प्रो. चंद्रसेन, प्रो. राजीव राठी, प्रो. अर्चना, प्रो. हरीश चंद्र राम, प्रो. राजकुमार एवं नायब तहसीलदार रुचि गुप्ता, क्लब के एसोसिएट उर्वशी, अनुराग, आदित्य, कौशिकी, प्रसंग और सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

चंदाकोडर प्राथमिक विद्यालय में आयोजित विधिक साक्षरता व सहायता शिविर में ग्रामीणों को जानकारी देते विधि विशेषज्ञ। अमृत विचार

VOICE OF LUCKNOW PAGE 06

वरिष्ठ नागरिकों को मिले उचित सम्मान : प्रो बीडी सिंह

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की संस्था प्रो बोनो क्लब व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को बीकेटी तहसील के चंदाकोडर ग्राम में विधिक सहायता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का संचालन प्रो बोनो क्लब के संकाय प्रभारी डॉ. आलोक कुमार यादव ने किया। शिविर में उच्च न्यायालय इलाहाबाद के वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेन्द्र सिंह राजावत ने शिविर में आये हुए लोगों से उनके विधिक समस्याओं को सुना और उचित सलाह दी। साथ ही लोगो की समस्याओं को संबंधित अधिकारी और अदालत के माध्यम से निपटारा कराने का आश्वासन दिया। शिविर में लविवि के विधि परिसर के मुखिया प्रो बंशीधर सिंह मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहे। इस दौरान उन्होंने सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक न्याय की बात की एवं वरिष्ठ नागरिकों को उचित सम्मान देने पर बल दिया। इस मौके पर सरकार द्वारा मुहैया करायी जाने वाली योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी गयी। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के प्रो. अनुराग ने अपने संबोधन में सुलह समझौता के जरिए विवादों के निपटारे पर जोर दिया। विधि संकाय के ही प्रो. अनुराग ने अपने संबोधन में ऐसे लोगों से बचने की सलाह दी जो गांव समाज में लोगों को अंयत्र मुकदमे के लिए उकसाते है।

लविवि में हुआ रक्तदान शिविर सम्पन्न

लखनऊ। हरिओम सेवा केंद्र और सिविल अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में लखनऊ विश्वविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन आरोग्य भवन में शनिवार को हुआ। शिविर का शुभारम्भ तथा उत्साहवर्धन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अलोक कुमार राय ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या मे छात्र-छात्राओं ने भाग लिया एवं स्वैच्छिक रक्तदान किया। शिविर का आयोजन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. संगीता साहू के निर्देशन मे आरोग्य भवनइंचार्ज डा कुसुम यादव ने किया। इस अवसर पर डीन अकादमी प्रो. गीतांजली मिश्र, हरिओम सेवा केंद्र के संस्थापक तथा प्रसिद्ध थियेटरकर्मी डा अनिल रस्तोगी सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे।

TOI PAGE 4

A view of the underconstruction gate of Lucknow University

LOKSATYA PAGE 03

एलयू दर्शनशास्त्र विभाग की ओर से सैटरडे सेमिनार

चर्चा

- एलयू शोध छात्रों ने दिया व्याख्यान

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग की ओर से सैटरडे सेमिनार की विशेष श्रृंखला में विभागाध्यक्ष डॉ रजनी श्रीवास्तव के संरक्षण में व्याख्यान हुआ। इस व्याख्यान में दर्शनशास्त्र विभाग के शोध छात्र गौरव मिश्र ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया । विचारों में suicide की समस्या को व्यक्त किया इसकी भी चर्चा की। उन्होंने अपने व्याख्यान का आधार कैमू के द्वारा लिखी गई पुस्तक ' The myth of Sisyphus' को बनाया। उन्होंने अपने व्याख्यान में राजा सिसीफस से जुड़े हुए एक लोककथा के साथ किया और उस लोककथा से जुड़े हुए कामू के विचारों को भी व्यक्त किया। कामू के द्वारा दिए गए विचार 'theory of absurdity' को अपने शब्दों में समझाने का प्रयास किया। किस प्रकार से कामू suicide को चार भागो में विभाजित करते हुए अपने निष्कर्ष को व्यक्त करते हैं, उनकी भी चर्चा भी की गई। कामू कैसे suicide को कैसे अर्थहीन सत्यपित करते हुए इससे निकलने के रास्ते हो बताते है, उसकी भी चर्चा की। सेमिनार में दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ रजनी श्रीवास्तव के साथ- साथ विभाग के प्राचार्य डॉ. राजेश्वर प्रसाद यादव, डॉ प्रशांत शुक्ला एवम डॉ. ममता सिंह मौजूद रहे। सेमिनार में विभाग के शोध-छात्रों के साथ स्नातक एवं परास्नातक के साथ मौजूद रहे। सेमिनार के कोआर्डिनेटर विभाग के शोध छात्र विनीत कुमार एवं सेमिनार की रिपोर्ट लिखने का कार्य अनुज कुमार मिश्रा तथा शीतल शर्मा के द्वारा किया गया।

कॉर्पोरेट- छात्रों के बीच अवसरों पर चर्चा

मंथन

- चाणक्य सभागार में मैनेजमेंट कॉन्क्लेव आयोजित

लखनऊ, लोकसत्य

कॉर्पोरेट, अकादमिक और छात्रों को एक साथ लाने के लिए, प्लेसमेंट और करियर डेवलपमेंट सेल, व्यापर प्रशासन विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से 'कंपीटेंसीज फॉर फ्यूचर मैनेजर्स इन 5 ट्रिलियन इकानमी' विषयक मैनेजमेंट कॉन्क्लेव विश्वविद्यालय के चाणक्य सभागार में हुआ। इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य कॉर्पोरेट, शैक्षणिक और छात्रों के बीच अवसरों की चर्चा करके 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था की ओरेख में प्रतिस्पर्धा विकास के लिए बारीकियों को संदर्भित करना था।

वरिष्ठ कॉर्पोरेट लीडरों ने भाग लिया, एवं शैक्षणिक और प्रबंधन अभ्यासियों के लिए विषय के महत्व पर प्रकाश डाला। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने गुणवत्ता शिक्षा और स्टेकहोल्डर के प्रति समर्पण पर जोर दिया। जिसने सम्मलेन की धारणा को मार्गदर्शन किया। उन्होंने छात्र क्षमता को बढ़ाने के लिए शिक्षा-शिक्षण पारंपरिकता की पहचान और विकास का महत्व उजागर किया प्रो. संगीता साहू, विभागाध्यक्ष, ने सम्मेलन का संचालन करने के लिए एक गतिशील और संदर्भित दृष्टिकोण प्रदान किया। कॉन्क्लेव का समन्वय डॉ. अनु कोहली, डॉ. वेद श्रीवास्तव, और डॉ. अंकिता श्रीवास्तव ने कार्यकुशलता से किया। प्रमुख कॉर्पोरेट वक्ताओं जैसे कि श्री प्रणय पाठक (मुख्य कार्यकारी अधिकारी और राज्य हेड, रिलायंस जियो इंफोकोम), अभिषेक श्रीवास्तव (क्षेत्रीय श्रम संसाधन प्रमुख, टीसीएस), प्रदीप कुमार (सहायक उपाध्यक्ष, एचडीएफसी एएमसी लिमिटेड), अनुराग नीतियार (मुख्य प्रबंधक, टाइम्स ग्रुप), भावनपांडे (विपणन प्रमुख, रिलायंस जियो इंफोकोम) और अरुण शर्मा (मुख्य श्रम संसाधन प्रमोक्ता, आईसीआईसी प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड) ने प्रतिस्पर्धा और प्रौद्योगिकी के समायोजन के कारण उद्योग में बदलते भूमिकाओं पर जानकारी साझा की।